# सही समझ व सही प्रयत्न :

## योगवासिष्ठ से लिए गए उद्धरण

४

स्वप्रयत्न वही है जो हृदय में स्फुरित होने वाली सम्यक् [सही] समझ से उत्पन्न होता है और जो शास्त्रों की शिक्षाओं में व साधुजन के सदाचरण में प्रकट हुआ हो।

© २०१८ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।

योगवासिष्ठ; स्वामी वेंकटेशानन्द, *The Supreme Yoga: Yoga Vasishtha* [दिल्ली, भारत : मोतीलाल बनारसीदास, २०१०] पृ. २३।